



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री आदिलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Adilakshmi

॥ ध्यानम् ॥

सुमनस वन्दित सुन्दरि माधवि चन्द्र सहोदरि हेममये ।
मुनिगण मण्डित मोक्ष प्रदायिनि मञ्जुळ भाषिणि वेदनुते ॥
पङ्कज वासिनि देव सुपूजित सद्गुण वर्षिणि शान्तियुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि आदिलक्ष्मी सदा पालय माम् ॥ १ ॥
द्विभुजाञ्च द्विनेत्राञ्च सा ऽ भयां वरदान्विदाम् ।
पुष्प माला धरां देवीं अम्बुजासन संस्थिताम् ॥
पुष्प तोरण संयुक्तां प्रभा मण्डल मण्डिताम् ।
सर्व लक्षण संयुक्तां सर्वाभरण भूषिताम् ॥
पीताम्बर धरां देवीं मकुटे चारु बन्धनाम् ।
स्तनोन्नति समायुक्तां पार्श्वयोर् दीप शक्तिकाम् ॥
सौन्दर्य निलयां शक्तीं आदिलक्ष्मीं अहं भजे ॥ २ ॥

॥ श्री आदिलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ श्रीं ॐ आदिलक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ अकारायै नमः
ॐ श्रीं ॐ अव्ययायै नमः
ॐ श्रीं ॐ अच्युतायै नमः
ॐ श्रीं ॐ आनन्दायै नमः
ॐ श्रीं ॐ अर्चितायै नमः
ॐ श्रीं ॐ अनुग्रहायै नमः
ॐ श्रीं ॐ अमृतायै नमः
ॐ श्रीं ॐ अनन्तायै नमः
ॐ श्रीं ॐ इष्ट प्राप्त्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ ईश्वर्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ कर्त्र्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ कान्तायै नमः
ॐ श्रीं ॐ कलायै नमः
ॐ श्रीं ॐ कल्याण्यै नमः

ॐ श्रीं ॐ कपर्दिने नमः
ॐ श्रीं ॐ कमलायै नमः
ॐ श्रीं ॐ कान्ति वर्धिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ कुमार्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ कामाक्ष्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ कीर्ति लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ गन्धिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ गजारूढायै नमः
ॐ श्रीं ॐ गम्भीर वदनायै नमः
ॐ श्रीं ॐ चक्र हासिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ चक्रायै नमः
ॐ श्रीं ॐ ज्योति लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ जय लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ ज्येष्ठायै नमः
ॐ श्रीं ॐ जगज्जनन्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री आदिलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं ॐ जागृतायै नमः
ॐ श्रीं ॐ त्रिगुणायै नमः
ॐ श्रीं ॐ त्र्यैलोक्य मोहिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ त्र्यैलोक्य पूजितायै नमः
ॐ श्रीं ॐ नाना रूपिण्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ निखिलायै नमः
ॐ श्रीं ॐ नारायण्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ पद्माक्ष्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ परमायै नमः
ॐ श्रीं ॐ प्राणायै नमः
ॐ श्रीं ॐ प्रधानायै नमः
ॐ श्रीं ॐ प्राण शक्त्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ ब्रह्माण्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ भाग्य लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ भूदेव्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ बहु रूपायै नमः
ॐ श्रीं ॐ भद्रकाल्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ भीमायै नमः
ॐ श्रीं ॐ भैरव्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ भोग लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ भू लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ महाश्रियै नमः
ॐ श्रीं ॐ माघव्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ मात्रे नमः
ॐ श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ महावीरायै नमः
ॐ श्रीं ॐ महाशक्त्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ मालाश्रियै नमः
ॐ श्रीं ॐ राज्ञ्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ रमायै नमः
ॐ श्रीं ॐ राज्य लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ रमणीयायै नमः
ॐ श्रीं ॐ लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ लाक्षितायै नमः
ॐ श्रीं ॐ लेखिन्यै नमः

ॐ श्रीं ॐ विजय लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ विश्व रूपिण्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ विश्वाश्रयायै नमः
ॐ श्रीं ॐ विशालाक्ष्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ व्यापिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ वेदिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ वारिधये नमः
ॐ श्रीं ॐ व्याघ्र्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ वाराह्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ वैनायक्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ वरारोहायै नमः
ॐ श्रीं ॐ वैशारद्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ शुभायै नमः
ॐ श्रीं ॐ शाकम्भर्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ श्रीकान्तायै नमः
ॐ श्रीं ॐ कालायै नमः
ॐ श्रीं ॐ शरण्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ श्रुतये नमः
ॐ श्रीं ॐ वप्न दुर्गाय नमः
ॐ श्रीं ॐ सूर्य चन्द्राग्नि नेत्र त्रयायै नमः
ॐ श्रीं ॐ सिम्हगायै नमः
ॐ श्रीं ॐ सर्व दीपिकायै नमः
ॐ श्रीं ॐ स्थिरायै नमः
ॐ श्रीं ॐ सर्व संपत्ति रूपिण्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ स्वामिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ सीतायै नमः
ॐ श्रीं ॐ सूक्ष्मायै नमः
ॐ श्रीं ॐ सर्व संपन्नायै नमः
ॐ श्रीं ॐ हंसिन्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ हर्ष प्रदायै नमः
ॐ श्रीं ॐ हंसगायै नमः
ॐ श्रीं ॐ हरि सूताय नमः
ॐ श्रीं ॐ हर्ष प्राधान्यै नमः
ॐ श्रीं ॐ हरित्पतये नमः
ॐ श्रीं ॐ सर्व ज्ञानायै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री आदिलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं ॐ सर्व जनन्यै नमः

ॐ श्रीं ॐ मुख फल प्रदायै नमः

ॐ श्रीं ॐ महा रूपायै नमः

ॐ श्रीं ॐ श्रीकर्यै नमः

ॐ श्रीं ॐ श्रेयसे नमः

ॐ श्रीं ॐ श्रीचक्र मध्यगायै नमः

ॐ श्रीं ॐ श्रीकारिण्यै नमः

ॐ श्रीं ॐ क्षमायै नमः ॥

॥ इति श्री आदिलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री धान्यलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Dhanyalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

अहिकलि कल्मष नाशिनि कामिनि वैदिक रूपिणि वेदमये ।
क्षीर समुद्भव मङ्गल रूपिणि मन्त्र निवासिनि मन्त्रनुते ॥
मङ्गल दायिनि अम्बुज वासिनि देवगणा ऽ श्रित पादयुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि धान्यलक्ष्मी सदा पालय माम् ॥ १ ॥

वरदा ऽ भय संयुक्तां किरीट मकुटोज्ज्वलाम् ।
अम्बुजञ्चेक्षुचालिञ्च कतलीफल द्रोणिकाम् ॥
पंकजं दक्ष वामे तु दधानां शुक्ल रूपिणीम् ।
कृपा मूर्तिं जटाजूटां सुखासन समन्विताम् ॥
सर्वालङ्कार संयुक्तां सर्वाभरण भूषिताम् ।
मदमत्तां मनोहारि रूपां धान्य श्रियं भजे ॥ २ ॥

॥ श्री धान्यलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ श्रीं क्लीं ॐ धान्य लक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ आनन्दाकृत्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अनिन्दितायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ आद्यायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ आचाय्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अभयायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अशक्यायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अजयायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अजेयायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अमलायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अमृतायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ अमरायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ इन्द्राणी वरदायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ इन्दीवरेश्वर्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ उरगेन्द्र शयनाय नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ उत्केल्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ काश्मीर वासिन्यै नमः

ॐ श्रीं क्लीं ॐ कादम्बर्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ कलरवायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ कुच मण्डल मण्डितायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ कौशिक्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ कृतमालायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ कौशाम्ब्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ कोश वर्धिन्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ खड्ग धरायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ खनये नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ खस्थायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ गीतायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ गीत प्रियायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ गीत्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ गायत्र्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ गौतम्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ चित्राभरण भूषितायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ चाणूर मदिन्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री धान्यलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं क्लीं ॐ चण्डायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ चण्ड हन्त्र्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ चण्डिकायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ गण्डक्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ गोमत्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ गाथायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ तमो हन्त्र्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ त्रिशक्ति धृते नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ तपस्विन्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ जात वत्सलायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ जगत्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ जंगमायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ ज्येष्ठायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ जन्म दायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ ज्वलितद्युत्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ जगज्जीवायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ जगद् वन्द्यायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धर्मिष्ठायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धर्म फल दायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ ध्यान गम्यायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धारणायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धरण्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धवलायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धर्माधारायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धनायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धारायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ धनुर्घर्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नाभासायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नासायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नूतनाङ्गायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नरकघ्न्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नुत्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नाग पाश धरायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ नित्यायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ पर्वत नन्दिन्यै नमः

ॐ श्रीं क्लीं ॐ पति व्रतायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ पति मय्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ प्रियायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ प्रीति मञ्जर्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ पाताल वासिन्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ पूर्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ पाञ्चाल्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ प्राणिनां प्रसवे नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ पराशक्त्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ बलि मात्रे नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ बृहद् धाम्न्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ बादरायण संस्तुतायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ भयघ्न्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ भीम रूपायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ बिल्वायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ भूतस्थायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मखायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मातामह्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ महामात्रे नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मध्यमायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मानस्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मनवे नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मेनकायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ मुदायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ यत्तत्पद निबन्धिन्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ यशोदायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ यादवायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ यूत्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ रक्त दन्तिकायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ रति प्रियायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ रति कर्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ रक्त केश्यै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ रण प्रियायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ लंकायै नमः
 ॐ श्रीं क्लीं ॐ लवणोदधये नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री धान्यलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं क्लीं ॐ लंकेश हन्त्र्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ लेखायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ वर प्रदायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ वामनायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ वैदिक्यै नमः

ॐ श्रीं क्लीं ॐ विद्युते नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ वाराह्यै नमः
ॐ श्रीं क्लीं ॐ सुप्रभायै नमः
ॐ श्रीं क्लीं समिधे नमः ॥

॥ इति श्री धान्यलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री धैर्यलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Dhairyalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

जयवर वर्णिनि वैष्णवि भार्गवि मन्त्र स्वरूपिणि मन्त्रमये ।
सुरगण पूजित शीघ्र फलप्रद ज्ञान विकासिनि शास्त्रनुते ॥
भवभय हारिणि पाप विमोचनि साधुजना ऽ श्रित पादयुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि धैर्यलक्ष्मी सदा पालय माम् ॥ १ ॥

अष्ट बाहु युतां लक्ष्मीं सिंहासन वर स्थिताम् ।
तप्त काञ्चन संकाशं किरीट मकुटोज्ज्वलाम् ॥
स्वर्ण कञ्जुक संयुक्तां च्छन्न वीर धरां तथा ।
अभयं वरदं चैव भुजयोः सव्य वामयोः ॥
चक्रं शूलं च बाणं च शंखं चापं कपालकम् ।
दधतीं वीरलक्ष्मीं च नवतालात्मिकां भजे ॥ २ ॥

॥ श्री धैर्यलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ धैर्यलक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अपूर्वायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अनाद्यायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अदिरीश्वर्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अभीष्टायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ आत्म रूपिण्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अप्रमेयायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अरुणायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अलक्ष्यायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अद्वैतायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ आदिलक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ ईशान वरदायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ इन्दिरायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ उन्नताकारायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ उद्धट मदापहायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुद्धायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कृशाङ्ग्यै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ काय वर्जितायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कामिन्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुन्त हस्तायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुल विद्यायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कौलिक्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ काव्य शक्त्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कलात्मिकायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ खेचर्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ खेट काम दायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गोप्त्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गुणाढ्यायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गवे नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चन्द्रायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चारवे नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चन्द्रप्रभायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चञ्चवे नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चतुराश्रम पूजितायै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री धैर्यलक्ष्मी ॥

- | | |
|---|--|
| <p>ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ चित्त्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ गो स्वरूपायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ गौतमाख्य मुनि स्तुतायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ गान प्रियायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ छद्म दैत्य विनाशिन्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ जयायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ जयन्त्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ जयदायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ जगत्त्रय हितैषिण्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ जात रूपायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ ज्योत्स्नायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ जनतायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ तारायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ त्रिपदायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ तोमरायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ तुष्ट्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ धनुर् धरायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ धेनुकायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ ध्वजिन्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ धीरायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ धूलि ध्वान्त हरायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ ध्वनये नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ ध्येयायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ धन्यायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ नौकायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ नीलमेघ समप्रभायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ नव्यायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ नीलाम्बरायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ नख ज्वालायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ नलिन्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ परात्मिकायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ परापवाद संहर्त्र्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ पन्नगेन्द्र शयनायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ पतगेन्द्र कृतासनायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ पाकशासनायै नमः</p> | <p>ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ परशु प्रियायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बलि प्रियायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बल दायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बालिकायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बालायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बदर्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बलशालिन्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बलभद्र प्रियायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बुद्ध्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ बाहु दायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ मुख्यायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ मोक्ष दायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ मीन रूपिण्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ यज्ञायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ यज्ञाङ्गायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ यज्ञ काम दायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ यज्ञ रूपायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ यज्ञ कर्त्र्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ रमण्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ राम मूर्त्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ रागिण्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ रागज्ञायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ राग वल्लभायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ रत्न गभायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ रत्नखन्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ राक्षस्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ लक्षणाद्यायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ लोलार्क परिपूजितायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ वेत्रवत्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ विश्वेशायै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ वीर मात्रे नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ वीर श्रियै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ वैष्णव्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ शुच्यै नमः
 ॐ श्री ह्रीं क्लीं ॐ श्रद्धायै नमः</p> |
|---|--|

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री धैर्यलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ शोणाक्ष्यै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ शेष वन्दितायै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ शताक्ष्यै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ हत दानवायै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ ह्यग्रीव तनवे नमः ॥

॥ इति श्री धैर्यलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री गजलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Gajalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

जयजय दुर्गति नाशिनि कामिनि सर्व फल प्रद शास्त्रमये ।
रथ गज तुरग पदादि समावृत परिजन मण्डित लोकनुते ॥
हरिहर ब्रह्म सुपूजित सेवित ताप निवारिणि पादयुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि गजलक्ष्मी रूपेण पालय माम् ॥ १ ॥
चतुर्भुजां च द्विनेत्रां च वराभय करान्विताम् ।
अब्ज दव्य करांभोजां अम्बुजासन संस्थिताम् ॥
ससुवर्ण कटेपाभ्यां प्लाव्यमानां महाश्रियम् ।
सर्वाभरण शोभाढ्यां शुभ्र वस्त्रोत्तरीयकाम् ॥
चामर ग्रह नारीभिः सेवितां पार्श्वयोर् त्वयोः ।
आपात लम्बि वसनां करण्डा मकुटां भजे ॥ २ ॥

॥ श्री गजलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गजलक्ष्म्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अनन्त शक्त्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अज्ञेय्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अणु रूपायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अरुणा कृत्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अवाच्यायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अनन्त रूपायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अम्बुदायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अम्बर संस्थाङ्कायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ अशेष स्वर भूषितायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ इच्छायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ इन्दीवर प्रभायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ उमायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ ऊर्वश्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ उदय प्रदायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुशावतायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कामधेनवे नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कपिलायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुलोद्भव्यायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुङ्कुमाङ्कित देहायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुमार्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ कुङ्कुमारुणायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ काश पुष्प प्रतीकाशायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ खलापहायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ खग मात्रे नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ खगा कृत्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गान्धर्व गीत कीर्त्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गेय विद्या विशारदायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गंभीर नाभ्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गरिमायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चामर्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चतुराननायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चतुः षष्टि श्रीतन्त्र पूजनीयायै
नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री गजलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चित्सुखायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ चिन्त्यायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गंभीरायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गेयायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ गन्धर्व सेवितायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जरामृत्यु विनाशिन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जैत्र्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जीमूत संकाशायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जीवनायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जीवन प्रदायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जितशवासायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जितारातये नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ जनित्र्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ तृप्त्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ त्रपायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ तृषायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ दक्ष पूजितायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ दीर्घ केश्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ दयालवे नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ दनुजापहायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ दारिद्र्य नाशिन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ द्रवायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ नीति निष्ठायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ नाक गति प्रदायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ नाग रूपायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ नागवल्ल्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ प्रतिष्ठायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ पीताम्बरायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ परायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ पुण्य प्रज्ञायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ पयोष्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ पम्पायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ पद्म पयस्विन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ पीवरायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भीमायै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भव भयापहायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भीष्मायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भ्राजन्मणि ग्रीवायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भ्रातृ पूज्यायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भार्गव्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भ्राजिष्णवे नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ भानु कोटि सम प्रभायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ मातङ्ग्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ मान दायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ मात्रे नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ मातृ मण्डल वासिन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ मायायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ मायापुर्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ यशस्विन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ योग गम्यायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ योग्यायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ रत्न केयूर वलयायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ रति राग विवर्धिन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ रोलम्ब पूर्ण मालायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ रमणीयायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ रमापत्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ लेख्यायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ लावण्य भुवे नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ लिप्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ लक्ष्मणायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ वेद मात्रे नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ वह्नि स्वरूप धृषे नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ वागुरायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ वधु रूपायै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ वालि हन्त्र्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ वराप्सरस्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ शाम्बर्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ शमन्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ शान्त्यै नमः
 ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ सुन्दर्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री गजलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ सीतायै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ सुभद्रायै नमः

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ क्षेमङ्कर्यै नमः
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ॐ क्षित्यै नमः ॥

॥ इति श्री गजलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री सन्तानलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Santanalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

अहिखग वाहिनि मोहिनि चक्रिणि राग विवर्धिनि ज्ञानमये ।
गुणगण वारिधि लोक हितैषिणि स्वर सप्त भूषित गाननुते ॥
सकल सुरासुर देवमुनीश्वर मानव वन्दित पादयुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि सन्तानलक्ष्मी त्वं पालय माम् ॥ १ ॥

जटा मकुट संयुक्तां स्थितितासन समन्विताम् ।
अभयं कटकञ्चैव पूर्ण कुम्भं भुजद्वये ॥
कञ्जुकं च्छन्द वीरञ्च मौक्तिकं चापि धारिणीम् ।
दीप चामर नूरीभिः सेवितां पार्श्वयोर् द्वयोः ॥
बाले सेनादि संकाशे करुणा पूरिताननाम् ।
महाराज्ञीं च सन्तान लक्ष्मीं इष्टार्थ सिद्धये ॥ २ ॥

॥ श्री सन्तान लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ सन्तानलक्ष्म्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ असुरघ्न्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अर्चितायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अमृत प्रसवे नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अकार रूपायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अयोध्यायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अश्विन्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अमर वल्लभायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ अखण्डितायुषे नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ इन्दु निभाननायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ इज्यायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ इन्द्रादि स्तुतायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ उत्तमायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ उत्कृष्ट वणायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ उर्व्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ कमल स्रग्धरायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ काम वरदायै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ कमठा कृत्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ काञ्ची कलाप रम्यायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ कमलासन संस्तुतायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ कम्बीजायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ कौत्स वरदायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ कामरूप निवासिन्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ खड्गिन्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गुण रूपायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गुणोद्धतायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गोपाल रूपिण्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गोप्त्र्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गहनायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गो धन प्रदायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ चित् स्वरूपायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ चराचरायै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ चित्रिण्यै नमः
ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ चित्रायै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री सन्तानलक्ष्मी ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गुरुतमायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गम्यायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गोदायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ गुरु सुत प्रदायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ ताम्रपण्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ तीर्थमय्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ तापस्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ तापस प्रियायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ त्र्यैलोक्य पूजितायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जन मोहिन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जल मूर्त्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जगद् बीजायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जनन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जन्म नाशिन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जगद्वात्र्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ जितेन्द्रियायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ ज्योतिर् जायायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ द्रौपद्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ देव मात्रे नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ दुर्घषायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ दीधिति प्रदायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ दशानन हरायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ डोलायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ द्युत्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ दीप्तायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ नुत्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ निषुंभघ्न्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ नर्मदायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ नक्षत्राख्यायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ नन्दिन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ पद्मिन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ पद्म कोशाक्ष्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ पुण्डलीक वरप्रदायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ पुराण परमायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ प्रीत्यै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ भाल नेत्रायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ भैरव्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ भूति दायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ भ्रामर्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ भ्रमायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ भूर्भुवस्सुवः स्वरूपिण्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ मायायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ मृगाक्ष्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ मोह हन्त्र्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ मनस्विन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ महेप्सित प्रदायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ मात्रमदहतायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ मदिरक्षणायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ युद्धज्ञायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ यदु वंशजायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ यादवार्ति हरायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ युक्तायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ यक्षिण्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ यवनार्दिन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ लक्ष्म्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ लावण्य रूपायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ ललितायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ लोल लोचनायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ लीलावत्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ लक्ष रूपायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ विमलायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ वसवे नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ व्याल रूपायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ वैद्य विद्यायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ वासिष्ठ्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ वीर्य दायिन्यै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ शबलायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ शान्तायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ शक्तायै नमः
 ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ शोक विनाशिन्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री सन्तानलक्ष्मी ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ शत्रु मार्यै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ शत्रु रूपायै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ सरस्वत्यै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ सुश्रोण्यै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ सुमुख्यै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ हाव भूम्यै नमः

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ॐ हास्य प्रियायै नमः ॥

॥ इति श्री सन्तानलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री विजयलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Vijayalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

जय कमलासनि सद्गति दायिनि ज्ञान विकासिनि गानमये ।
अनुदिन मर्चित कुङ्कुमधूसर भूषित वासित वाद्यनुते ॥
कनक धारा स्तुति वैभव वन्दित शङ्कर देशिक मान्य पदे ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि विजयलक्ष्मी सदा पालय माम् ॥ १ ॥
अष्टबाहु युतां देवीं सिंहासन वर स्थिताम् ।
सुखासनां सुकेशीं च किरीट मकुटोज्ज्वलाम् ॥
श्यामाङ्गीं कोमलाकारां सर्वाभरण भूषिताम् ।
खड्गं पाशं तथा चक्रं अभयं सव्य हस्तके ॥
खेटकं चाङ्कुशं शङ्खं वरदं वाम हस्तके ।
राजरूप धरां शक्तिं प्रभा सौन्दर्य शोभिताम् ।
हंसारूढां स्मरेत् देवीं विजयां विजयाप्तये ॥ २ ॥

॥ श्री विजयलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ क्लीं ॐ विजयलक्ष्म्यै नमः	ॐ क्लीं ॐ कलहायै नमः
ॐ क्लीं ॐ अम्बिकायै नमः	ॐ क्लीं ॐ कान्त लोचनायै नमः
ॐ क्लीं ॐ अम्बालिकायै नमः	ॐ क्लीं ॐ काञ्च्यै नमः
ॐ क्लीं ॐ अम्बुधि शयनायै नमः	ॐ क्लीं ॐ कनक धारायै नमः
ॐ क्लीं ॐ अम्बुधये नमः	ॐ क्लीं ॐ कल्प्यै नमः
ॐ क्लीं ॐ अन्तकघ्न्यै नमः	ॐ क्लीं ॐ कनक कुण्डलायै नमः
ॐ क्लीं ॐ अन्त कर्त्र्यै नमः	ॐ क्लीं ॐ खड्ग हस्तायै नमः
ॐ क्लीं ॐ अन्तिमायै नमः	ॐ क्लीं ॐ खट्वाङ्ग वरधारिण्यै नमः
ॐ क्लीं ॐ अन्तक रूपिण्यै नमः	ॐ क्लीं ॐ खेट हस्तायै नमः
ॐ क्लीं ॐ ईड्यायै नमः	ॐ क्लीं ॐ गन्ध प्रियायै नमः
ॐ क्लीं ॐ इभास्य नुतायै नमः	ॐ क्लीं ॐ गोपसख्यै नमः
ॐ क्लीं ॐ ईशान प्रियायै नमः	ॐ क्लीं ॐ गारुड्यै नमः
ॐ क्लीं ॐ ऊत्यै नमः	ॐ क्लीं ॐ गत्यै नमः
ॐ क्लीं ॐ उद्यद् भानु कोटि प्रभायै नमः	ॐ क्लीं ॐ गोहितायै नमः
ॐ क्लीं ॐ उदाराङ्गायै नमः	ॐ क्लीं ॐ गोप्यायै नमः
ॐ क्लीं ॐ केलिपरायै नमः	ॐ क्लीं ॐ चिदात्मिकायै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री विजयलक्ष्मी ॥

ॐ क्लीं ॐ चतुर्वर्ग फल प्रदायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ चतुराकृत्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ चकोराक्ष्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ चारु हासायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ गोवर्धन धरायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ गुर्व्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ गोकुला ऽ भय दायिन्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ तपो युक्तायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ तपस्विकुल वन्दितायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ ताप हारिण्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ तार्क्ष मात्रे नमः
 ॐ क्लीं ॐ जयायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ जप्यायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ जरायवे नमः
 ॐ क्लीं ॐ जवनायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ जनन्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ जाम्बूनद विभूषायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ दया निध्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ ज्वालायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ जम्भ वधोद्यतायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ दुःख हन्त्र्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ दान्तायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ द्रुतेष्टदायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ दात्र्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ दीनार्ति शमनायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ नीलायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ नागेन्द्र पूजितायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ नारसिंह्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ नन्दि नन्दायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ नन्द्यावर्त प्रियायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ निधये नमः
 ॐ क्लीं ॐ परमानन्दायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ पद्म हस्तायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ पिकस्वरायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ पुरुषार्थ प्रदायै नमः

ॐ क्लीं ॐ प्रौढायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ प्राप्त्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ बलि संस्तुतायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ बालेन्दु शेखरायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ बन्द्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ बालग्रह विनाशन्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ ब्राह्म्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ बृहत्तमायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ बाणायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ ब्राह्मण्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ मधुस्रवायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ मत्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ मेधायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ मनीषायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ मृत्यु मारिकायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ मृगत्वचे नमः
 ॐ क्लीं ॐ योगिजन प्रियायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ योगाङ्ग ध्यान शील्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ यज्ञ भुवे नमः
 ॐ क्लीं ॐ यज्ञ वर्धिन्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ राकायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ राकेन्दु वदनायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ रम्यायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ रणित नूपुरायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ रक्षोघ्न्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ रति दात्र्यै नमः
 ॐ क्लीं ॐ लतायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ लीलायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ लीलानर वपुषे नमः
 ॐ क्लीं ॐ लोलायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ वरेण्यायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ वसुधायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ वीरायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ वरिष्ठायै नमः
 ॐ क्लीं ॐ शातकुम्भ मय्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री विजयलक्ष्मी ॥

ॐ क्लीं ॐ शक्त्यै नमः

ॐ क्लीं ॐ श्यामायै नमः

ॐ क्लीं ॐ शीलवत्यै नमः

ॐ क्लीं ॐ शिवायै नमः

ॐ क्लीं ॐ होरायै नमः

ॐ क्लीं ॐ हयगायै नमः ॥

॥ इति श्री विजयलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावली सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री विद्यालक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Vidyalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

प्रणत सुरेश्वरि भारति भार्गवि शोक विनाशिनि रत्नमये ।
मणिमय भूषित कर्म विभूषण शान्ति समावृत हास्यमुखे ॥
नवनिधि दायिनि कलिमल हारिणि कामित फलप्रद हस्तयुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि विद्यालक्ष्मी सदा पालय माम् ॥ १ ॥

॥ श्री विद्यालक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावळी ॥

ॐ ऐं ॐ विद्यालक्ष्म्यै नमः
ॐ ऐं ॐ वाग्देव्यै नमः
ॐ ऐं ॐ परदेव्यै नमः
ॐ ऐं ॐ निरवद्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ पुस्तक हस्तायै नमः
ॐ ऐं ॐ ज्ञान मुद्रायै नमः
ॐ ऐं ॐ श्रीविद्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ विद्या रूपायै नमः
ॐ ऐं ॐ शास्त्र निरूपिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ त्रिकाल ज्ञानायै नमः
ॐ ऐं ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ ऐं ॐ महाविद्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ वाणिश्रियै नमः
ॐ ऐं ॐ यशस्विन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ विजयायै नमः
ॐ ऐं ॐ अक्षरायै नमः
ॐ ऐं ॐ वणायै नमः
ॐ ऐं ॐ पराविद्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ कवितायै नमः
ॐ ऐं ॐ नित्य बुद्ध्यै नमः
ॐ ऐं ॐ निर्विकल्पायै नमः
ॐ ऐं ॐ निगमातीतायै नमः
ॐ ऐं ॐ निर्गुण रूपायै नमः
ॐ ऐं ॐ निष्कल रूपायै नमः

ॐ ऐं ॐ निर्मलायै नमः
ॐ ऐं ॐ निर्मल रूपायै नमः
ॐ ऐं ॐ निराकारायै नमः
ॐ ऐं ॐ निर्विकारायै नमः
ॐ ऐं ॐ नित्य शुद्ध्यै नमः
ॐ ऐं ॐ बुद्ध्यै नमः
ॐ ऐं ॐ मुक्त्यै नमः
ॐ ऐं ॐ नित्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ निरहङ्कारायै नमः
ॐ ऐं ॐ निरातङ्कायै नमः
ॐ ऐं ॐ निष्कलङ्कायै नमः
ॐ ऐं ॐ निष्कारिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ निखिल कारणायै नमः
ॐ ऐं ॐ निरीश्वरायै नमः
ॐ ऐं ॐ नित्य ज्ञानायै नमः
ॐ ऐं ॐ निखिलाण्डेश्वर्यै नमः
ॐ ऐं ॐ निखिल वेद्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ गुण देव्यै नमः
ॐ ऐं ॐ सुगुण देव्यै नमः
ॐ ऐं ॐ सर्व साक्षिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ सच्चिदानन्दायै नमः
ॐ ऐं ॐ सज्जन पूजितायै नमः
ॐ ऐं ॐ सकल देव्यै नमः
ॐ ऐं ॐ मोहिन्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री विद्यालक्ष्मी ॥

ॐ ऐं ॐ मोह वर्जितायै नमः
ॐ ऐं ॐ मोह नाशिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ शोकायै नमः
ॐ ऐं ॐ शोक नाशिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ कालायै नमः
ॐ ऐं ॐ कालातीतायै नमः
ॐ ऐं ॐ काल प्रतीतायै नमः
ॐ ऐं ॐ अखिलायै नमः
ॐ ऐं ॐ अखिल निदानायै नमः
ॐ ऐं ॐ अजरामरायै नमः
ॐ ऐं ॐ अजहित कारिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ त्रिगुणायै नमः
ॐ ऐं ॐ त्रिमूर्त्यै नमः
ॐ ऐं ॐ भेद विहीनायै नमः
ॐ ऐं ॐ भेद कारणायै नमः
ॐ ऐं ॐ शब्दायै नमः
ॐ ऐं ॐ शब्द भण्डारायै नमः
ॐ ऐं ॐ शब्द कारिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ स्पशायै नमः
ॐ ऐं ॐ स्पर्श विहीनायै नमः
ॐ ऐं ॐ रूपायै नमः
ॐ ऐं ॐ रूप विहीनायै नमः
ॐ ऐं ॐ रूप कारणायै नमः
ॐ ऐं ॐ रस गन्धिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ रस विहीनायै नमः
ॐ ऐं ॐ सर्व व्यापिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ माया रूपिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ प्रणव लक्ष्म्यै नमः

ॐ ऐं ॐ मात्रे नमः
ॐ ऐं ॐ मातृ स्वरूपिण्यै नमः
ॐ ऐं ॐ हीकार्यै
ॐ ऐं ॐ ॐकार्यै नमः
ॐ ऐं ॐ शब्द शरीरायै नमः
ॐ ऐं ॐ भाषायै नमः
ॐ ऐं ॐ भाषा रूपायै नमः
ॐ ऐं ॐ गायत्र्यै नमः
ॐ ऐं ॐ विश्वायै नमः
ॐ ऐं ॐ विश्व रूपायै नमः
ॐ ऐं ॐ तैजसे नमः
ॐ ऐं ॐ प्राज्ञायै नमः
ॐ ऐं ॐ सर्व शक्त्यै नमः
ॐ ऐं ॐ विद्याविद्यायै नमः
ॐ ऐं ॐ विदुषायै नमः
ॐ ऐं ॐ मुनिगणा ऽ चिंतायै नमः
ॐ ऐं ॐ ध्यानायै नमः
ॐ ऐं ॐ हंस वाहिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ हसित वदनायै नमः
ॐ ऐं ॐ मन्द स्मितायै नमः
ॐ ऐं ॐ अम्बुज वासिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ मयूरायै नमः
ॐ ऐं ॐ पद्म हस्तायै नमः
ॐ ऐं ॐ गुरुजन वन्दितायै नमः
ॐ ऐं ॐ सुहासिन्यै नमः
ॐ ऐं ॐ मङ्गलायै नमः
ॐ ऐं ॐ वीणा पुस्तक धारिण्यै नमः ॥

॥ इति श्री विद्यालक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावली सम्पूर्णम् ॥



॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री ऐश्वर्यलक्ष्मी ॥
Sri Ashtalakshmi Ashtottaram – Sri Aishvaryalakshmi

॥ ध्यानम् ॥

धिमिधिमि धिंधिमि धिंधिमि धिंधिमि दुन्दुभि नाद सुपूर्णमये ।
घुमघुम घुंघुम घुंघुम घुंघुम शङ्ख निनाद सुवाद्यनुते ॥
वेद पुराणेतिहास सुपूजित वैदिक मार्ग प्रदर्शयुते ।
जयजय हे मधुसूदन कामिनि धनलक्ष्मी रूपेण पालय माम् ॥ १ ॥
किरीट मकुटो भेदां स्वर्ण वर्ण समन्विताम् ।
सर्वाभरण संयुक्तां सुखासन समन्विताम् ॥
परिपूर्णञ्च कुम्भञ्च दक्षिणेन करेण तु ।
चक्रं बाणं च ताम्बूलं तथा वाम करेण तु ॥
शंखं पद्मञ्च चापञ्च खण्डि कामपि धारिणीम् ।
सत् कञ्जुक स्तनीं ध्यायेत् धनलक्ष्मीं मनोहराम् ॥ २ ॥

॥ श्री ऐश्वर्यलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि ॥

ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ ऐश्वर्यलक्ष्म्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ कालिकायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अनघायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ किरणायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अलिराज्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ कल्प लतिकायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अहस्करायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ कल्प संख्यायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अमयघ्न्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ कुमुदवत्यै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अलकायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ काश्यप्यै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अनेकायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ कुतुकायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ अहल्यायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ खर दूषण हन्त्र्यै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ आदि रक्षणायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ खग रूपिण्यै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ इष्टेष्ट दायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ गुरवे नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ इन्द्राण्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ गुणाध्यक्षायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ ईशेशान्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ गुणवत्यै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ इन्द्र मोहिन्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ गोपी चन्दन चर्चितायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ उरु शक्त्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ हङ्गायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ उरु प्रदायै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चक्षुषे नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ ऊर्ध्व केश्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चन्द्र भागायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ कालमार्यै नमः	ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चपलायै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री ऐश्वर्यलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चलत् कुण्डलायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चतुः षष्टि कलाज्ञान दायिन्यै
 नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चाक्षुषी मनवे नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चर्मणवत्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ चन्द्रिकायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ गिरये नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ गोपिकायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ जनेष्ट दायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ जीणायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ जिन मात्रे नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ जन्यायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ जनक नन्दिन्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ जालन्धर हरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ तपः सिद्धयै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ तपोनिष्ठायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ तृप्तायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ तापित दानवायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ दर पाणये नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ द्रग् दिव्यायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ दिशायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ दमितेन्द्रियायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ दृकायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ दक्षिणायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ दीक्षितायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ निधिपुर स्थायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ न्याय श्रियै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ न्याय कोविदायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ नाभि स्तुतायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ नयवत्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ नरकार्ति हरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फणि मात्रे नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फल दायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फल भुजे नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फेन दैत्य हते नमः

ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फुल्लाम्बुजा ऽ सनायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फुल्लायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ फुल्ल पद्म करायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भीम नन्दिन्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भूत्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भवान्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भय दायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भीषणायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भव भीषणायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भूपति स्तुतायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ श्रीपति स्तुतायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भूधर धरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ भुतावेश निवासिन्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ मधुघ्न्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ मधुरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ माधव्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ योगिन्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ यामलायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ यतये नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ यन्त्रोद्धारवत्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ रजनी प्रियायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ रात्र्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ राजीव नेत्रायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ रण भूम्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ रण स्थिरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ वषट् कृत्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ वनमाला धरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ व्याप्त्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ विख्यातायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ शरधन्व धरायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ श्रितये नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ शरदिन्दु प्रभायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ शिक्षायै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ शतघ्न्यै नमः
 ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ शान्ति दायिन्यै नमः

॥ श्री अष्ट लक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावलि - श्री ऐश्वर्यलक्ष्मी ॥

ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ हीं बीजायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ हर वन्दितायै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ हालाहल धरायै नमः

ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ हयघ्न्यै नमः
ॐ श्रीं श्रीं श्रीं ॐ हंस वाहिन्यै नमः ॥

॥ इति श्री ऐश्वर्यलक्ष्मी अष्टोत्तर शत नामावली सम्पूर्णम् ॥

॥ श्री महालक्ष्म्याः रहस्य नामावली ॥

श्रीं हीं क्लीं भूषण प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं रूप लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं राज्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं राज लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं रमा प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं वीर लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वार्धिक लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं विद्या लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वर लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वर्ष लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वन लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वधू प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं वर्ण लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वश्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वाग् लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं वैभव प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं शौर्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं शान्ति लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं शक्ति लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं शुभ प्रदायै नमः

श्रीं हीं क्लीं श्रुति लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं शास्त्र लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं श्रीलक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं शोभन प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं स्थिर लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं सिद्धि लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं सत्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं सुधा प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं सैन्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं साम लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं सस्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं सुत प्रदायै नमः
श्रीं हीं क्लीं साम्राज्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं सल्लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं हीलक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं आढ्य लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं आयुर् लक्ष्म्यै नमः
श्रीं हीं क्लीं आरोग्य दायै नमः
श्रीं हीं क्लीं श्री महालक्ष्म्यै नमः ॥

॥ इति श्री रहस्य महालक्ष्म्याः अष्टोत्तर शत नामावली ॥